नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत-पोलैंड साझेदारी को नई रफ्तार मिलेगी

भारत और पोलैंड के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की वार्ता महत्वपूर्ण है. बदलते वैश्विक परिदृश्य में आर्थिक सहयोग, रक्षा उद्योग, आतंकवाद के खिलाफ समन्वय और आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों की बढ़ती निकटता के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं. यूरोप में पोलैंड की सामरिक और आर्थिक भूमिका तथा वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए यह साझेदारी दोनों पक्षों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है. अब आवश्यकता इस सहमति को ठोस परिणामों में बदलने की है. दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया है.

वर्ष 2025 में भारत और पोलैंड के बीच व्यापार लगभग 6.36 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था. इसे दोगुना करना महत्वाकांक्षी लक्ष्य अवश्य है, लेकिन दोनों देशों के पास इसके लिए पर्याप्त संभावनाएं हैं. इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ तकनीक, उन्नत विनिर्माण और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में सहयोग आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई दे सकता है. इसके अलावा आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग भी इस साझेदारी का महत्वपूर्ण पक्ष है. दरअसल, आतंकवाद आज किसी एक देश की समस्या नहीं रह गया है. इसके वित्तपोषण, सीमा पार नेटवर्क और तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है. भारत लंबे समय से आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक स्तर पर ठोस कार्रवाई की मांग करता रहा है. पोलैंड के साथ आतंकवाद निरोधक संवाद शुरू होने से सूचनाओं के आदान-प्रदान और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों पर साझा दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिल सकती है.

पोलैंड का आपदा-रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) में शामिल होने का निर्णय भी उल्लेखनीय है. जलवायु परिवर्तन, बाढ़, चक्रवात और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ते जोखिम के बीच मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण वैश्विक प्राथमिकता बन गया है. भारत की पहल पर स्थापित सीडीआरआई इस दिशा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करता है. पोलैंड की भागीदारी से आपदा प्रबंधन, जोखिम आकलन और अवसंरचना को अधिक सुरक्षित बनाने के प्रयासों को विस्तार मिल सकता है. हिंद-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र, खुला, शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाए रखने तथा समुद्री कानूनों का सम्मान करने पर दोनों देशों की सहमति भी महत्वपूर्ण है.

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा के लिए समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान आवश्यक है. बहरहाल, भारत और पोलैंड के बीच बढ़ता सहयोग भारत के यूरोपीय संबंधों को नई मजबूती दे सकता है. यूरोप के साथ भारत के व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों के विस्तार में पोलैंड एक महत्वपूर्ण साझेदार बन सकता है. लेकिन किसी भी साझेदारी की वास्तविक सफलता घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके क्रियान्वयन से तय होती है.

वर्ष 2030 तक व्यापार दोगुना करने, रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने और आतंकवाद के विरुद्ध समन्वय मजबूत करने के लक्ष्यों के लिए नियमित समीक्षा तथा समयबद्ध कार्ययोजना आवश्यक होगी. यदि दोनों देश इन सहमतियों को ठोस परियोजनाओं और पारस्परिक लाभ में बदलने में सफल होते हैं, तो यह साझेदारी न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी, बल्कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की आर्थिक और सामरिक स्थिति को भी अधिक सुदृढ़ बनाएगी.

370 हटने के बाद जम्मू के विकास में आया बदलाव

शारिक नूर

> औद्योगिक विकास, रेल, मालगाड़ी परिवहन एवं सड़क संपर्क के बढ़ते नेटवर्क के साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी जम्मू का इलाका विकास की पताका लहरा रहा है. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान विजयपुर,साम्बा जम्मू कश्मीर के अलावा अन्य पडोसी राज्यों के मरीज़ों को भी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है .येसंस्थान एनएबीएच (ह्रक्क॥)एक्रेडिटेशन पानेवाला इलाके कापहला अस्पताल है . आईआईटी, आईआईएम, आईआईएमसी, सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान (सीआईएसआर-ट्रिपल आईएम)और अन्य कई संस्थान भी जम्मू क्षेत्र की विकास गाथा में योगदान दे रहे है . वो दिन दूर नहीं जब जम्मू क्षेत्र विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को मूर्तरूप देता नज़र आयेगा .

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सड़क एवं रेल संपर्क, अधोसंरचना विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं, उद्यमिता और आर्थिक अवसरों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है. विशेष बात ये है कि जम्मू क्षेत्र भी प्रगति के पथ पर ऊंची छलांगे लगा रहा है. सीमावर्ती जम्मू क्षेत्र का न सिर्फ चहुंमुखी विकास हो रहा है, बल्कि इस विकास में गुणात्मक अंतर भी आया है. जम्मू डिवीज़न में द्रुत गति से औद्योगिक विकास हो रहा है है. यहां निर्धारित औद्योगिक क्षेत्र में सरकारी ज़मीन पर 1,767 औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित हैं, जिनमें कुल 13,391.46 करोड़ का निवेश हुआ है और 49,795 लोगों को सीधा रोज़गार मिला है. राज्य सरकार की न्यू सेंट्रल सेक्टर स्कीम (एनसीएसएस) 2021 के तहत, 30 सितंबर 2024 तक 971 इकाइयों का पंजीयन किया गया, इनमें कुल 14,294 करोड़ का प्रस्तावित निवेश शामिल है, जिसमें से 10,514 करोड़ कारखानों और मशीनरी के लिए हैं. इससे 51,897 लोगों को रोज़गार मिलने का अनुमान है और 32,017 करोड़ के वित्तीय प्रोत्साहन का अनुमान है. खास बात ये है कि वित्त वर्ष 2025-26 में निवेश 5,824 करोड़ तक पहुँच गया. यह 2021 से पहले के औसत सालाना निवेश की तुलना में 13 गुना ज़्यादा है. तेज़ी से काम करते हुए, 1 अगस्त 2026 तक, रजिस्टर्ड नई और विस्तार वाली 440 इकाइयों में से 401 (यानी 91 प्रतिशत) ने व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है. इस क्षेत्र के इतिहास में पहली बार पैकेजिंग, फूड प्रोसेसिंग, पॉलिमर और फार्मास्यूटिकल्स जैसे तेज़ी से बढ़ने वाले सेक्टर में ?500 करोड़ से ज़्यादा निवेश वाली कई बड़ी औद्योगिक इकाइयाँ सफलतापूर्वक स्थापित की गई हैं. जम्मू क्षेत्र में निवेशकों को मज़बूत संस्थागत सहयोग उपलब्ध करवाया जा रहा है. इसमें 45 लाख तक के डीजीसेट पर 100% सब्सिडी, 50 लाख तक के प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों पर 60% सब्सिडी, पात्र इकाइयों के लिए 10 साल तक 100% नेट एसजीएसटी की वापसी, पांच साल तक टर्नओवर से जुड़े प्रोत्साहनआदिशामिल हैं. रेल यातायात नेटवर्क के क्षेत्र में भी विगत कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर ने अभूतपूर्व प्रगति की है. रियासी ज़िले में चिनाब नदी के तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर बना चिनाब रेल ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है. यह एफिल टॉवर से भी 35 मीटर ऊंचा है. 1,315 मीटर लंबा यह स्टील आर्च स्ट्रक्चर उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक का एक अहम हिस्सा है और भारतीय इंजीनियरिंग की एक बड़ी उपलब्धि है. इस पुल का एक बड़ा फ़ायदा जम्मू और श्रीनगर के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होने के रूप में मिला है । इस पर वंदे भारत एक्सप्रेस के चलने से कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा का समय घटकर लगभगतीन घंटे के आसपास रह गया है. जम्मू शहर से लगभग 80 किलोमीटर दूर, अंजीखड्ड रेल ब्रिज सिर्फ़ इंजीनियरिंग का एक कमाल नहीं है, बल्कि यह इंसानी इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता का प्रतीक भी है.नदी के तल से 331 मीटर ऊँचा और 725 मीटर लंबा यह पुल 96 मज़बूत केबलों से टिका हुआ है.

सड़क संपर्क में भी जम्मू क्षेत्र सरपट दौड़ रहा है . राष्ट्रीय राजमार्ग-44 इस केंद्र शासित प्रदेश की सड़क संपर्क की एक महत्वपूर्ण कड़ी है . भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार इस हाईवे को फोर-लेन बनाने का काम लगभग पूरा हो चुका है . जम्मू-कश्मीर में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के कुल 382 किलोमीटर लंबाई वाले 22 प्रोजेक्ट्स 14,819 करोड़ की लागत से पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 320 किलोमीटर लंबाई वाले 16 प्रोजेक्ट्स 22,277 करोड़ की अनुमानित लागत से अभी चल रहे हैं . इनमे राष्ट्रीय राजमार्गों, पुलों और टनलों के नेटवर्क का विकास शामिल है . हाईवे कॉरिडोर पर सुरंगों के इस्तेमाल से, जिनमें चेनानी-नाशरी टनल शामिल है, जम्मू से श्रीनगर तक की सड़क की दूरी लगभग 45 किलोमीटर कम हो गई है और यात्रा के समय में एक घंटे से ज़्यादा की बचत होती है . आने वाले साल में अलग-अलग हाईवे प्रोजेक्ट्स पर छह टनल के पूरे होने की उम्मीद है, जिससे इस इलाके में हर मौसम में कनेक्टिविटी और मज़बूत होगी . प्रस्तावित कटरा-कुलगाम सड़क प्रोजेक्ट की अभी डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जा रही है,इसके बन जाने के बाद, इस कॉरिडोर से जम्मू की तरफ से कश्मीर घाटी के लिए सबसे छोटा सड़क संपर्क मिलने की उम्मीद है .

(लेखक भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी हैं)

मध्य क्षेत्र की डायरी

आस्था की राह पर दिग्विजय सियासी सवाल भी साथ

संदीप चंसौरिया

सियासत में समय और रास्ते, दोनों के अपने मायने होते हैं. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एक बार फिर लंबी पदयात्रा पर हैं. इस बार रास्ता उज्जैन के महाकाल से अयोध्या के राम मंदिर तक का है. 20 अक्टूबर को विजयादशमी पर शुरू हुई करीब 930 से 950 किलोमीटर की सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रालगभग 70 दिन में पूरी करने की योजना है. ओरछा के रामराजा मंदिर से होते हुए अयोध्या पहुंचने वाली इस यात्रा में दिग्विजय रोज करीब 15 किलोमीटर चलने का लक्ष्य लेकर निकले हैं. दिग्विजय के लिए पैदल चलना नया नहीं है. 30 सितंबर 2017 को उन्होंने नर्मदा परिक्रमा शुरू की थी, जो अप्रैल 2018 में पूरी हुई. पत्नी अमृता राय और सहयोगियों के साथ करीब 3,300 किलोमीटर की इस यात्रा को उन्होंने धार्मिक और आध्यात्मिक अनुष्ठान बताया था. हालांकि, यात्रा मध्य प्रदेश के करीब 110 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरी और इसके कुछ ही महीनों बाद नवंबर 2018 में विधानसभा चुनाव हुए. कांग्रेस ने चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर किया और सरकार बनाई. यात्रा ने राजनीतिक चर्चाओं को जरूर हवा दी, लेकिन उसकी चुनावी सफलता में निर्णायक भूमिका साबित करना अलग बात है. अब कैलेंडर फिर दिलचस्प है. अगला लोकसभा चुनाव 2029 में होना है और दिग्विजय ने उससे पहले धार्मिक आस्था के केंद्रों को जोड़ने वाला रास्ता चुना है. मगर इस बार एजेंडे में केवल आस्था नहीं, बल्कि मंदिरों के चढ़ावे में पारदर्शिता और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के मुद्दे भी हैं. दिग्विजय इन्हें 'दान की चोरी' और 'वोट की चोरी' का सवाल बताते हैं. अब दिलचस्प यह है कि क्या यह यात्रा कांग्रेस के लिए नए राजनीतिक विमर्श की जमीन तैयार करेगी, या दिग्विजय की घोषित धार्मिक-सामाजिक पहल तक सीमित रहेगी? फिलहाल इतना तय है कि महाकाल से अयोध्या तक का रास्ता धार्मिक होने के साथ राजनीतिक नजरों से भी ओझल नहीं रहेगा.

तंत्र में खेला...पांच रुपये की फिनाइल 33 हजार में

सरकारी खजाना जनता की गाढ़ी कमाई से भरता है, लेकिन मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में खरीदारी के जो आंकड़े सामने आए हैं, वे व्यवस्था की नीयत और निगरानी, दोनों पर सवाल खड़े करते हैं . पांच रुपये में खरीदे गए एक लीटर फिनाइल की कीमत दूसरे निकाय में 33,500 रुपये दर्ज होना, 306 रुपये की एलईडी का 11,800 रुपये में खरीदा जाना और दो लाख की कचरा गाड़ी के लिए छह लाख रुपये खर्च करना सामान्य खरीद का अंतर नहीं लगता . यही वे आंकड़े हैं, जिन्होंने सरकारी तंत्र के भीतर चल रही कथित गड़बड़ियों की परतें खोल दी हैं . हैरानी यह भी है कि यह खुलासा किसी विपक्षी नेता ने नहीं, बल्कि नगरीय प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे की विभागीय बैठक में प्रस्तुत विश्लेषण से हुआ . वीडियो सार्वजनिक करने की मंशा भले न रही हो, लेकिन उसके वायरल होने से सरकार के अपने ही तंत्र की तस्वीर जनता के सामने आ गई . प्रस्तुति के मुताबिक, 374 नगरीय निकायों ने तीन साल में जीइएम पोर्टल से 1,134 करोड़ रुपये की खरीद की . उचित औसत दरों पर खरीद होती तो करीब 250 करोड़ रुपये बचाए जा सकते थे . सवाल सिर्फ इतना नहीं कि किसने महंगा सामान खरीदा . सवाल यह है कि खरीद की मंजूरी किसने दी, दरों की तुलना क्यों नहीं हुई और भुगतान से पहले जिम्मेदार अधिकारियों ने जांच क्यों नहीं की? बेशक, कीमतों का अंतर अपने आप में भ्रष्टाचार का अंतिम प्रमाण नहीं है . गुणवत्ता, तकनीकी विशेषताओं और आपूर्ति की शर्तों की जांच जरूरी है . लेकिन, यही जांच अब निष्पक्ष और सार्वजनिक जवाबदेही के साथ होनी चाहिए . मंत्री प्रतिमा बागरी ने उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिया है . अब जनता को आश्वासन नहीं, नतीजे चाहिए .

शिवसेना की विरासत कसौटी पर

शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की पार्टी 2022 में 2 धड़ों में विभाजित हो गई . दोनों ही खुद को असली शिवसेना होने का दावा करते हैं . शिवसेना (उद्धव ठाकरे) का दशहरा सम्मेलन शिवाजी पार्क में और शिवसेना (शिंदे) का मेला गोरेगांव स्थित नेस्को सेंटर में हुआ . उद्धव ठाकरे ने अपने संबोधन में केंद्र सरकार, बीजेपी तथा एकनाथ शिंदे की शिवसेना को आलोचना का निशाना बनाया . उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में धांधली, मतदाताओं के अधिकार व सत्ता परिवर्तन की आवश्यकता पर जोर दिया . युवाओं के आंदोलन को भी उन्होंने समर्थन दिया . केवल जोरदार भाषण देना ही काफी नहीं है . फूट पड़ने के बाद पार्टी संगठन को मजबूत करना, युवा मतदाताओं को अपने साथ जोड़ना, मराठी अस्मिता के मुद्दे को सामयिक प्रश्नों के साथ जोड़ना तथा अपनी क्षमता सिद्ध करना भी आवश्यक है . केवल भावनात्मक मुद्दों से राजनीतिक पूंजी नहीं बनती . एकनाथ शिंदे ने अपनी सभा में 2019 के जनादेश, विरोधियों की राजनीति, सूखाग्रस्त किसानों की मदद करने के लिए सरकार की उपाययोजना का उल्लेख किया . उन्होंने जनता की भलाई के लिए काम करने की अपनी भूमिका दृढ़ता से रखी . शिंदे ने सत्ता में अपनी सहभागिता को जनता का निर्विवाद समर्थन बताया और संगठन के विस्तार पर बल दिया . महायुति सरकार के उपमुख्यमंत्री के रूप में उन्हें किसानों की दुर्दशा दूर करने, ग्रामीण क्षेत्रों का जलसंकट निवारण करने, महंगाई पर अंकुश लगाने के उपाय करने होंगे . ग्रामीण बेरोजगारी की समस्या भी विकट है जिसका निदान खोजना होगा . दशहरा रैली में आक्रामक व जोशीला भाषण देना एक बात है लेकिन जनता का विश्वास प्राप्त करने के लिए जमीन पर ठोस कदम उठाने होंगे . अजीत पवार के निधन के बाद शिंदे ही ताकतवर उपमुख्यमंत्री के रूप में नजर आते हैं . जहां उद्धव ठाकरे विपक्ष में हैं वहां शिंदे के पास सत्ता की ताकत है .

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

चुनाव आयोग कर रहा बंदगी, इसलिए सरकार की लंबी जिंदगी

केंद्रीय गृहमंत्री 6 ड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बड़े आत्मविश्वास से कहा था कि विपक्ष सत्ता में आने का सपना देखना छोड़ दे 2050 तक बीजेपी के नेतृत्व में केंद्र में एनडीए की सरकार बनी रहेगी. इसलिए विपक्ष के लिए नो वैकेंसी!

हमने कहा, 'इंसान का इंश्योरेंस हो सकता है, लेकिन सरकार का नहीं. महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, मनमानी के विरोध में जब व्यापक आंदोलन उभरता है, तो सरकार हिल जाती है.

'पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जब चुनाव आयोग समेत संवैधानिक संस्थाओं पर सरकार का कब्जा हो, हाथ में एसआईआर का डंडा हो, विपक्ष के आंदोलन का पुलिसिया दमन हो तो सरकार का किला हमेशा मजबूत बना रहेगा. देश में 600 साल मुगलों ने और 200 साल अंग्रेजों ने राज किया कांग्रेस भी कई दशकों तक सत्ता में रही. ऐसे में बीजेपी भी यदि आजादी की

शताब्दी अर्थात 2047 तक सत्तारूढ़ रहने के लिए संकल्पबद्ध है, तो इसे सहजता से स्वीकार कीजिए. विपक्षी पार्टियों को तोड़कर अपने साथ मिलाने, विपक्षी नेताओं के पीछे केंद्रीय जांच एजेसियों को लगाने की नीति से मोदी-शाह की सरकार ने खुद को बहुत मजबूत कर लिया है. वह चिरकुट लोगों की परवाह नहीं करती. कॉकरोच से निपटने के लिए लाल हिट का स्प्रे मार सकती है. '

हमने कहा', सरकार की एकाधिकारवादी, तानाशाही और दमनकारी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष का इंडिया गठबंधन एकजुट हो गया है. ममता, केजरीवाल, अखिलेश, तेजस्वी यादव, लेफ्ट पार्टियां तालमेल बना रहे हैं. राहुल और प्रियंका ने डंका बजा दिया है. सरकार पूरी कोशिश करने पर भी चुनाव क्षेत्र की पुनर्रचना करने वाला परिसीमन बिल दो-तिहाई बहुमत से पास नहीं करवा पा रही है. विपक्ष के सवाल का जवाब देने के लिए ढाल की तरह केंद्रीय मंत्रियों किरेन रिजिजू और पीयूष गोयल को आगे कर दिया जाता है. मोदी खुद सामने आकर जवाब नहीं देते. सरकार के पास समूचा तंत्र और चुनाव जीतने का अमोघ मंत्र है.

शब्द-सागर 12417

- डॉ. सागर खादीवाला

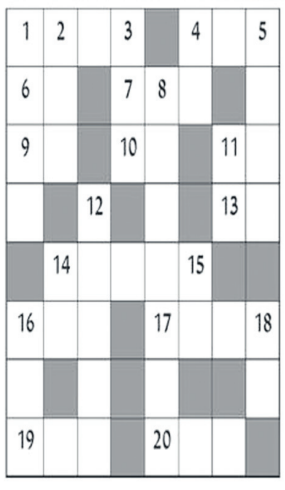

खोलकर हा-हा करना, परिहास करना 3. मोहित या मुग्ध होना 4. दृश्य, झरोखा, अवलोकन 5. युद्ध चलाने या किलेबंदी करने का ढंग 8. भारतीय गणतंत्र में असाधारण वीरता प्रदर्शित करने पर भारतीय सेना के किसी वीर को दिया जाने वाला प्रथम श्रेणी का उपहार या उपाधि 11. ईश्वर, राजा दशरथ के बड़े पुत्र 12. बक-बक करना, धीरे-धीरे अस्पष्ट शब्दों में कुछ कहना 14. परिणाम, पेड़-पौधों का गूदेदार बीजकोश 15. सत्य, वास्तविक 16. दया, रहम 18. एक सीधा और लंबा वृक्ष जिसकी चोटी पर पत्ते होते हैं

बाएं से दाएं
1. घमंडी (सं.) 4. पायल, झांझर 6. स्नायु, नाड़ी 7. हलकी या थोड़ी देर की नींद 9. गमन करना, प्रस्थान 10. नाड़, गर्दन, नारी, नाल 11. राजा की पत्नी 13. समझ, बुद्धि (सं.) 14. मराठा काल में एक उच्च पद 16. इच्छा, चाह 17. बनाने वाला, रचना करने वाला 19. सज्जित या अलंकृत होना, प्रियतम, पति 20. सिलसिलेवार, धीरे-धीरे (सं.)

ऊपर से नीचे
1. अपरिचित, नादान 2. प्रसन्नता प्रकट करने के लिए किसी का मुंह

Solution 12416

ख	रू	प			भी	त	र
दे		र	त	ज	गा		ज
श	क्ति		मा	ह		हो	नी
		क	ल	र	व		
बु	खा	र			न	गी	ना
झा	ड़ी		जों	क		त	य
ना		रि			सा		क
	म	हा	वि	द्या	ल	य	

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में निर्धारित कार्यों में आकस्मिक रूकावट आयेगी. व्यर्थ वाद विवाद होगा. व्यय में वृद्धि होगी. मानसिक अशांति रहेगी. वर्ष के मध्य मेंशासन से लाभ तथा व्यक्तिगत संबंधों में सुधार होगा. सामाजिक कार्य में ख्याति प्राप्त होगी. वर्ष के अन्त में भागदौड़ से सफ्लता मिलेगी. आर्थिक योजना में लाभ होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पूर्व निर्धारित कार्यों में आकस्मिक रूकावट आयेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ वाद विवाद होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ प्राप्त होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को ख्याति प्राप्त होने का योग है. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को परिश्रम और भागदौड़ की अधिकता रहेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को व्यय में वृद्धि होगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को प्रसिद्धि का योग है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक परोपकारी मिलनसार तथा धार्मिक स्वाभाव का होगा, इनका व्यक्तित्व मिलनसार होगा, कला, संगीत, और काव्य में इनकी अच्छी रूचि होती है, चंचलमना होने के कारण इनमें लोकप्रियता रहेगी, स्वतंत्र कार्य द्वारा जीवन यापन करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

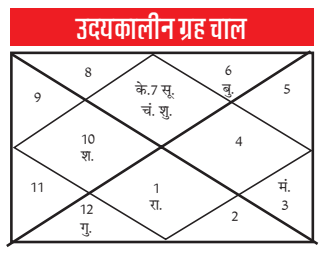

पंचांग

रा.मि. 02 संवत् 2083 आश्विन शुक्ल त्रयोदशी शनिवासरे दिन 11/46, उत्तराभाद्रपद नक्षत्रे रात 8/8, व्याघात योगे रात 8/30, तैतिल करणे सू.उ. 6/22, सू.अ. 5/38, चन्द्रचार मीन, शु.रा. 12, 2, 3, 6, 7, 10 अ.रा. 1, 4, 5, 8, 9, 11 शुभांक- 5, 7, 1.

व्यापार भविष्य

आश्विन शुक्ल त्रयोदशी को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से सूत, कपास, में घट-बढ़ होकर तेजी होगी, चांदी में 30 से 50 रूपये मंदी होगी, गुड़, खांड, शक्कर में मंदी का रूख रहेगा, भाग्यांक 2529 है.

मेष- कार्यक्षेत्र में आ रही दिक्कतें दूर होंगी, छोटा विवाद बड़ा रूप ले सकता है, सावधानी रखें, धार्मिक कार्यों की पूर्ति होगी, नवीन योजनाओं का विस्तार होगा.

वृषभ- परिचितों के कारण अपना कार्य करने में कठिनाईयां आयेंगी, वाणी पर नियंत्रण रखें. आर्थिक कार्य इच्छानुसार बनने का योग है, परिश्रम होगा.

मिथुन- दूसरों को अपने व्यक्तिगत मामलों में दखल का अवसर न दें, भौतिक सुख साधनों में बढ़ोत्तरी होगी, भाई बंधुओं का सुख मिलेगा, लाभ होगा.

कर्क- कार्यस्थल पर मिल रहीं चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे, आर्थिक कार्यों में स्थिति सामान्य रहेगी, दूर दराज की यात्रा होगी. मानसिक प्रसन्नता रहेगी.

सिंह- साझेदारी में बड़ी योजना शुरू कर सकते हैं, केरियर में आ रही बाधा दूर होगी, भ्रमण मनोरंजन, आमोद प्रमोद के अवसर आयेंगे, शुभ समाचार मिलेगा.

कन्या- मामूली सी बात पर मित्रों से कहा सुनी हो सकती है, आर्थिक कार्यों में स्थिति सामान्य रहेगी, किसी प्रिय व्यक्ति के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, मनोरंजक सैर होगी.

तुला- प्रियजन का साथ आगे बढ़ने की हिम्मत देगा, विलासिता की वस्तुओं का संचय होगा, महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे, व्यापार की उन्नति होगी.

वृश्चिक- किसी बात को लेकर व्यर्थ भयभीत हो सकते हैं, पारिवारिक सदस्यों के वाद विवाद दूर करने का प्रयास करें, निजी पुरूषार्थ बना रहेगा.

धनु- व्यापार विस्तार पर विचार होगा, अनजान लोगों पर भरोसा न करें, संतान के कार्यों में इच्छानुसार सफ्लता मिलेगी, मित्रों द्वारा कार्य में सहयोग मिलेगा,

मकर- किसी के सहयोग की जरूरत होगी, नये कार्य की तलाश में सफ्लता मिलेगी, राजकीय कार्यों में सहयोग मिलेगा, महिला जाति की सलाह उपयोगी रहेगी.

कुम्भ- पारिवारिक परेशानी दूर होने से राहत महसूस करेंगे, व्यापार व्यवसाय में लाभ एवं अनुबंधों से सुखद अनुभूति होगी, निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

मीन- कुछ लोग आपसे नजदीकी का फ़ायदा उठा सकते हैं, विरोधियों की चाल सामने आ सकती है, धर्म में खर्च होगा, यात्रा का योग है.

SUDOKU 7549

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7548

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2